





---

---

---

---

---

---

**Sabbath Services  
2 November 2013**

**Ho' oponopono**



---

---

---

---

---

---

**Deuteronomy 6:1-9**



---

---

---

---

---

---

## Deuteronomy 6:1-9

V4-5 - Hear, O Israel: **YHWH** our Mighty One is  
**YHWH**: And thou shalt love **YHWH** thy Mighty  
 One with all thine heart, and with all thy soul, and  
 with all thy might.




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## Mark 12:28-34




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## Mark 12:28-34

V33 - And to love him with all the heart, and with all  
 the understanding, and with all the soul, and with all  
 the strength, and to love his neighbour as himself, is  
 more than all whole burnt offerings and sacrifices.




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**John 14:12-24**


---



---



---



---



---



---



---

**John 14:12-24**

**V15 - If ye love me, keep my commandments.**

V23 – Y'HoShUA answered and said unto him, **If a man love me, he will keep my words: and my Father will love him, and we will come unto him, and make our abode with him.**

**V12 - Verily, verily, I say unto you, He that believeth on me, the works that I do shall he do also; and greater works than these shall he do;** because I go unto my Father.




---



---



---



---



---



---



---

**1 John 3:1-24**


---



---



---



---



---



---



---

**1 John 3:1-24**

V3 - And every man that hath this hope in him purifieth himself, even as he is pure.

V6 - Whosoever abideth in him sinneth not: whosoever sinneth hath not seen him, neither known him.

V24 - And he that keepeth his commandments dwelleth in him, and he in him. And hereby we know that he abideth in us, by the Spirit which he hath given us.

**Colossians 1:9-18****Colossians 1:9-18**

V16 - For by him were all things created, that are in heaven, and that are in earth, visible and invisible, whether they be thrones, or dominions, or principalities, or powers: all things were created by him, and for him:




---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

## 2 Corinthians 7:1-12



## 2 Corinthians 7:1-12

V9 - Now I rejoice, not that ye were made sorry, but that ye sorrowed to repentance: for ye were made sorry after a godly manner, that ye might receive damage by us in nothing.



## Luke 15:1-10



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## Luke 15:1-10

V7 - I say to you that likewise **there will be more joy in heaven over one sinner who repents than over ninety-nine just persons who need no repentance.**  
(NKJV)




---



---



---



---



---



---



---



---



---

## Matthew 6:1-14




---



---



---



---



---



---



---



---



---

## Matthew 6:1-14

V12 - And **forgive us our debts, as we forgive our debtors.**

V14 - **For if ye forgive men their trespasses, your heavenly Father will also forgive you:**




---



---



---



---



---



---



---



---



---

## Psalm 86:1-17

---



---



---



---



---



---



---




## Psalm 86:1-17

V5-7 - For thou, Master, art good, and ready to forgive; and plenteous in mercy unto all them that call upon thee. Give ear, Oh **YHWH**, unto my prayer; and attend to the voice of my supplications. In the day of my trouble I will call upon thee: for thou wilt answer me.

---



---



---



---



---



---



---




## Mark 2:1-12

---



---



---



---



---



---



---





---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

## Mark 2:1-12

V5 - When Y'HoShUA saw their faith, he said unto the sick of the palsy, Son, thy sins be forgiven thee.




---



---



---



---



---



---



---



---

## Matthew 12:31-37




---



---



---



---



---



---



---



---

## Matthew 12:31-37

V31-32 - Wherefore I say unto you, All manner of sin and blasphemy shall be forgiven unto men: but the blasphemy against the Set Apart Spirit shall not be forgiven unto men. And whosoever speaketh a word against the Son of man, it shall be forgiven him: but whosoever speaketh against the Set Apart Spirit, it shall not be forgiven him, neither in this world, neither in the world to come.




---



---



---



---



---



---



---



---

## 1 Chronicles 16:1-36




---



---



---



---



---



---



---

## 1 Chronicles 16:1-36

V8-10 - Give thanks unto **YHWH**, call upon his name, make known his deeds among the people. Sing unto him, sing psalms unto him, talk ye of all his wondrous works. Glory ye in his set apart name: let the heart of them rejoice that seek **YHWH**.




---



---



---



---



---



---



---

## Psalm 136:1-26




---



---



---



---



---



---



---

## Psalm 136:1-26

V1-3 - Oh give thanks unto YHWH; for he is good: for his mercy endureth for ever. Oh give thanks unto the Mighty One of gods: for his mercy endureth for ever. Oh give thanks to the Master of lords: for his mercy endureth for ever.




---



---



---



---



---



---



---



---



---

## 1 Thessalonians 5:12-28




---



---



---



---



---



---



---



---



---

## 1 Thessalonians 5:12-28

V16-22 - Rejoice evermore. Pray without ceasing. In every thing give thanks: for this is the will of the Mighty One in Messiah Y'HoShUA concerning you. Quench not the Spirit. Despise not prophesying. Prove all things; hold fast that which is good. Abstain from all appearance of evil.




---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---